*भाकृअनूप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006*

*कृषि सलाहकार सेवा*

***कोई भी कृषि कार्य करने से पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करें***

*जनवरी 2021 के दूसरे पखवाड़े की रणनीतियाँ*

*(1) शीतकालीन चावल (सरद धान)*

- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे शीतकीलीन चावल फसल के पुआल को न जलाएं।*
- *फसल की कटाई के बाद दौनी करके खपत के लिए धान के दानों को 14% नमी की मात्रा में धूप में सुखाया जाना चाहिए और बीजों के बेहतर भंडारण अवधि के लिए उन्हें 12% नमी तक सूखना चाहिए। उपज की बेहतर कीमत के लिए तथा मिश्रण के बिना प्रत्येक किस्म को अलग-अलग पैक करें।*
- *धान / चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग 'का उपयोग करें, जो वस्तुओं की गुणवत्ता, बनावट, रंग, सुगंध और स्वाद को अधिक समय तक बनाए रखने के लिए सहायक है।*
- *भंडारित अनाजों में संक्रमण होने के तुरंत बाद, एल्यूमीनियम फॉस्फाइड 3 गोलियाँ / टन अनाज (कुल 9 ग्राम) गोलियाँ) दर से उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद कंटेनरों में धूमक दें (आवास गृहों में उपयोग न करें) या बिना जगह छोड़े अनाज की बोरियों को मोटी तिरपाल से ढक दें। गोलियों को स्टैक में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन को पूरा करने के बाद अवशेष को हटाने में मदद करता है। गैस का रिसाव रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी / रेत / चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत के साथ प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की बिना ढके हुए रखें।*

*2) ग्रीष्मकालीन चावल (डालुआ धान)*

*2.1 प्रतिरोपित चावल*

- *धान की नर्सरी में खरपतवार संक्रमण होने पर बुआई करने के 10-15 दिन बाद या खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में सोडियम (नोमिनीगोल्ड) 120 मिली / एकड़ पानी दर पर छिड़काव करें।*
- *यदि चावल की नर्सरी में थ्रिप्स का संक्रमण देखा जाता है, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली / एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या लैम्ब्डा-साइहेलोथ्रिन 5% 200 मिली / एकड़ दर से या थियामेथोक्साम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम / एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें।*
- *नर्सरी में, जहाँ पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाने पर एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली / एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।*

• *यदि फसल में बकाने रोग देखी जाती है, तो कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1 ग्राम प्रति लीटर पानी दर से छिड़काव करें और 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*

• *पत्ती प्रध्वंस संक्रमण के मामले में, टेबूकोनाजोल 50% + ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 0.4 ग्राम दर से या आइसोप्रोथियोलन 40 ईसी 1.5 मिली प्रति लीटर दर से पानी का छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*

- *भूरा धब्बा रोग संक्रमण के मामले में, प्रोपिकोनाजोल 25ईसी 1 मिली दर से छिड़काव करें या मैनकोजेब 75 डब्ल्यूपी या*
- *कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 2 ग्राम पानी या कार्बेन्डाजिम 64% + मैनकोजेब 8% 75 डब्ल्यूपी 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी दर से छिड़काव करें।*
- *यदि अंकुरित पौधों में अंगमारी दिखाई दे, तो कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम / 1 लीटर पानी या प्रोपिकोनाजोल 1 मिली / 1 लिटर पानी की दर से डालें।*
- *3-4 सप्ताह वाली अंकुरित पौधों का उपयोग करके कीचड़दार मिट्टी में 15 सेमी X 15 सेमी की दूरी पर कम गहराई में 3-4 पौध प्रति पूंजा के साथ शुष्क मौसम धान की रोपाई करें।*
- *अंतिम बार कीचड़दार बनाने के दौरान अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए उर्वरक की मात्रा 40-20-20 किलोग्राम नत्रजन-फोस्फोरस-पोटाश/ एकड़ और डीएपी 44 किलोग्राम + एमओपी 22 किलोग्राम) या (यूरिया 22 किलोग्राम + एसएसपी 125 किलोग्राम + एमओपी 22 किलोग्राम) को आधारी मात्रा के रूप में प्रयोग करने की संस्तुत की जाती है।*
- *प्रतिरोपित चावल में, रोपाई के 5-10 दिन बाद दानेदार शाकनाशी बेंसल्फुरॉन मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर (लोंडाक्स) पावर / इरेज़ स्ट्रॉन्ग) 4 किग्रा / एकड़ दर से प्रयोग करें। दानेदार शाकनाशी को 4 किलोग्राम रेत / एकड़ के साथ मिलाएं और इसे खेत में समान रूप से छिटककर प्रयोग करें या रोपाई करने के 3-5 दिनों बाद पाइराजोसल्फ्यूरन इथाइल 10 डब्ल्यूपी (साथी) 80 ग्राम / एकड़ दर से 140 लीटर पानी में छिड़काव करें या रोपाई करने के 10-15 दिनों बाद बाइस्पिरीबैक सोडियम (नोमिनीगोल्ड) 120 मिली / एकड़ की दर से छिड़काव करें या खरपतवारों की २-३ पत्ती की अवस्था में 120 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *खेत में पीला तना छेदक या पत्ता मोड़क की निगरानी के लिए 3 फीरोमोन जाल प्रति एकड़ बिठाएं। जब पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाएं, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।*
- *यदि धान की फसल में बकाने रोग देखी जाती है, तो कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1 ग्राम प्रति लीटर पानी दर से छिड़काव करें और 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*

*2.2 आर्द्र सीधी बुआई चावल*

- *उचित फसल स्थापना और रोपाई के शुरुआती विकास के लिए पानी की एक पतली स्तर खेत में बनाए रखें।*

- *यदि पूर्व-आविर्भाव शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, तो खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए प्रारंभिक आविर्भाव-पश्चात रेडी मिक्स बेंसल्फुरोन- मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर दानेदार शाकनाशी (लोंडाक्स पॉवर / एरेस स्ट्रॉन्ग) 4 किलोग्राम / एकड़ दर से 4 किलोग्राम रेत में मिलाकर प्रयोग करें या बुआई के 10-12 दिन बाद बाइस्पिरीबैक-सोडियम (नोमिनीगोल्ड) के साथ मिलाकर छिड़काव करें या 2-3 पत्ती अवस्था में 120 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *दौजी निकलने की अवस्था में आधारी खुराक के रूप में प्रति एकड़ 26 किलोग्राम यूरिया का टॉप ड्रेसिंग करें।*
- *चावल के खेत में पीला तना छेदक कीटों और पत्ती फ़ोल्डर की निगरानी के लिए 5 मिलीग्राम ल्यूर / एकड़ के साथ 3 फेरोमोन जाल लगाएं । जब नर कीट संख्या 4 या 5/जाल तक पहुंच जाएं तो, एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।*
- *यदि बकाने रोग का संक्रमण देखा जाए, तो कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1 ग्राम प्रति लीटर दर से पानी में घोलकर 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*
- *प्रध्वंस संक्रमण के मामले में, नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 2 ग्राम प्रति लीटर दर से छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% +टेबूकोनाजोल 50% 0.4 ग्राम प्रति लीटर दर से छिड़काव करें। प्रत्येक एकड़ के लिए कुल छिड़काव की मात्रा 200 लीटर है।*